

प्रेषक,

विनोद फोनिया

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पशुपालन विभाग,

उत्तराखण्ड देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 26 अगस्त, 2010

विषय: अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत स्वीकृत पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1561/नि०-5/एक(16)/भ०नि०रा०सै०(अ०आ०/ 2010-11 दिनांक दिनांक 21 जुलाई, 2010 के सन्दर्भ में श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2010-11 में अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत रु० 45.60 लाख (रुपया पैतालीस लाख साठ हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्न विवरणानुसार धनराशि आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदाष्टि किये जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रु० में)

क्र० सं०	पशु सेवा केन्द्र	टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित/जारी स्वीकृति	निर्माण एजेन्सी का नाम
1	पशु सेवा केन्द्र, नराया, देहरादून	15.08	पेयजल निगम
2	पशु सेवा केन्द्र, खाड़ी, देहरादून	14.99	पेयजल निगम
3	पशु सेवा केन्द्र, जाड़ी, देहरादून	15.53	पेयजल निगम
	योग	45.60	

(रुपया पैतालीस लाख साठ हजार मात्र)

1. धनराशि का व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय तथा स्वीकृत धनराशि का आहरण पूर्व में स्वीकृत धनराशि के व्यय/उपयोग के पश्चात ही वास्तविक आवश्यकता के आधार पर किया जाए।
2. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
3. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों व प्रचलित शासनादेशों को ध्यान में रखा जाय।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
5. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्यनजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

6. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
7. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
8. जी०पी०डब्लू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
9. स्वीकृत निर्माण कार्यों को तत्काल प्रारम्भ किया जाय ताकि आगणनों को पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े। निर्माण कार्य विलम्ब से प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होती है, तो शासन स्तर से आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। निर्माण कार्यों को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराई जाये।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-31 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-101-पशु चिकित्सा सेवा तथा पशु स्वास्थ्य-04-पशु चिकित्सालय/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-173(P)/XXVII-04/10 दिनांक 23 अगस्त, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव

संख्या: 2008 (1) / XV-1/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण विंग, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी० को बेवसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा सी,
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव